

पाठ – 3

समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व

नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

Q1. वर्चस्व के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

- (अ) इस शब्द का अर्थ है एक देश का नेतृत्व या प्रबलता।
- (ब) इसका उपयोग प्राचीन ग्रीस में एथेंस की प्रबलता को दर्शाने के लिए किया गया था।
- (स) वर्चस्वशील स्थिति वाले देश के पास सैन्य शक्ति अजेय होती है।
- (द) वर्चस्व की स्थिति नियत है। जिसने एक बार वर्चस्व कायम कर लिया उसने हमेशा के लिए वर्चस्व कायम कर लिया।

उत्तर : (द) वर्चस्व की स्थिति नियत है। जिसने एक बार वर्चस्व कायम कर लिया उसने हमेशा के लिए वर्चस्व कायम कर लिया।

Q2. समकालीन विश्व व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

- (अ) विश्व सरकार की अनुपस्थिति है, जो राज्य के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती है।
- (ब) अमेरिका विश्व के मामले में सबसे प्रमुख है।
- (स) देश एक दूसरे के खिलाफ बलों का उपयोग कर रहे हैं।
- (द) अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाले देशों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा कड़ी सजा दी जाती है।

उत्तर : (अ) विश्व सरकार की अनुपस्थिति है, जो राज्य के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती है

Q3. ऑपरेशन इराकी स्वतंत्रता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

- (अ) इराक पर आक्रमण करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में चालीस से अधिक देशों ने भाग लिया।
- (ब) इराक पर हमला करने का कारण इसे सामूहिक विनाश के हथियार विकसित करने से रोकना था।
- (स) संयुक्त राष्ट्र की पूर्व स्वीकृति के साथ कार्रवाई की गई थी।
- (द) अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन को इराकी बलों के बड़े प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा।

उत्तर : (स) संयुक्त राष्ट्र की पूर्व स्वीकृति के साथ कार्रवाई की गई थी।

Q4. अध्याय में बताए गए तीन प्रकार के वर्चस्व का एक-एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर : तीन प्रकार के वर्चस्व हैं, पहला है हार्ड पावर के रूप में वर्चस्व, दूसरा है संरचनात्मक शक्ति के रूप में वर्चस्व, तीसरा है सॉफ्ट पावर के रूप में वर्चस्व। इन तीनों में विभिन्न प्रकार की विशेषताएं हैं। हार्ड पावर के रूप में वर्चस्व में हथियारों की शक्ति पर वर्चस्व शामिल है, जो अब अमेरिका के पास पूरी दुनिया में है। अमेरिकी हथियारों का उत्पादन इस दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक है।

संरचनात्मक शक्ति के रूप में वर्चस्व में विश्व अर्थव्यवस्था पर वर्चस्व शामिल है। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी वर्चस्व इन सभी प्रकार के वर्चस्व में दिखाई देता है। सॉफ्ट पावर के रूप में वर्चस्व में बाजार पर नियंत्रण और निर्माण सहमति से वर्चस्व शामिल है। दुनिया ने मैकडोनाल्ड्स, पेप्सी जैसी कई संयुक्त राज्य आधारित कंपनियों के उद्भव को देखा, जो अब हर देश में प्रमुख है। इस तरह के वर्चस्व को सॉफ्ट पावर कहा जाता है जो आजकल बाजार में काफी दिखाई देता है।

Q5. तीन तरीकों का उल्लेख करें जिसमें शीत युद्ध के बाद से अमेरिका का प्रभुत्व, शीत युद्ध के दौरान एक महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति से अलग है।

उत्तर : अंतरराष्ट्रीय दुनिया में सोवियत शक्ति गिरने के बाद 1991 में अमेरिकी वर्चस्व शुरू हुआ। दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद, अमेरिका ने 1991 से ही एक विषम शक्ति की तरह व्यवहार करना शुरू नहीं किया था। यह बाद की अवधि में स्पष्ट हो गया कि दुनिया एक महाशक्ति के तहत रह रही है। हम एकजुट राष्ट्र संगठन में अमेरिका के प्रभुत्व को भी देख सकते हैं, संयुक्त राष्ट्र के लिए यूएस सबसे बड़ा फंड प्रदाता है जो अमेरिका के लिए फायदेमंद है। प्रथम खाड़ी युद्ध में अमेरिकी सेना और अन्य देशों के बीच विशाल तकनीकी अंतर का पता चला। यह अन्य देशों के पिछड़ेपन को भी दर्शाता है और अमेरिकी सैन्य बलों के साथ सामना नहीं करने की क्षमता भी है। अमेरिका द्वारा स्मार्ट बमों के अत्यधिक प्रचारित उपयोग ने कुछ पर्यवेक्षकों को कंप्यूटर युद्ध के लिए प्रेरित किया। अमेरिका ने भी कई तरीकों से युद्ध से लाभ प्राप्त किया।

Q6. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ।

- (1) ऑपरेशन इनफाइनাইट रीच
- (2) ऑपरेशन इन्ड्यूरिंग फ्रीडम
- (3) ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म
- (4) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम

- (क) तालिबान और अल-कायदा वेफ खिलाफ जंग
- (ख) इराक पर हमले वेफ इच्छुक देशों का गठबंधन
- (ग) सूडान पर मिसाइल से हमला
- (घ) प्रथम खाड़ी युद्ध

उत्तर :

- (1) ओपरेशन इनफाइनাইट रीच - (ग) सूडान पर मिसाइल से हमला
- (2) ऑपरेशन इन्ड्यूरिंग फ्रीडम - (क) तालिबान और अल- कायदा के खिलाफ जंग
- (3) ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म - (घ) प्रथम कड़ी युद्ध
- (4) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम - (ख) इराक पर हमले के इच्छुक देशों का गठबंधन।

Q7. आज अमेरिकी वर्चस्व पर क्या अड़चनें हैं? आप इनमें से किसको भविष्य में और अधिक महत्वपूर्ण होने की उम्मीद करते हैं?

उत्तर : 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद, हमने कई मायनों में महाशक्तियों के उद्भव को देखा जैसे कि कठोर शक्ति, संरचनात्मक शक्ति और नरम शक्ति के संदर्भ में वर्चस्व। विश्व राजनीति में अमेरिका

का बढ़ता वर्चस्व काफी हद तक दिखाई दे रहा है। हमने देखा कि कैसे इराक पर आक्रमण इस तरह की महाशक्ति का नकारात्मक परिणाम है, सिर्फ अपने लाभ के लिए युद्ध छेड़ना काफी विनाशकारी है और बहुत बड़ा सीमांकन है। हमने आज संयुक्त राष्ट्र, आईएमएफ जैसे विशाल राष्ट्रीय निकायों को देखा जो भविष्य में भी अमेरिका के वर्चस्व स्वभाव को नियंत्रित कर सकते हैं। हमने देखा कि संयुक्त राष्ट्र ने राष्ट्रों के बीच कई युद्धों और कई सशस्त्र दौड़ को कैसे नियंत्रित किया और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और शांति के बारे में बात की।

Q8. “यदि बड़े और साधन संपन्न राज्य अमेरिका के वर्चस्व का विरोध नहीं कर सकते हैं, तो बहुत छोटे और कमजोर देशों से उनके प्रतिरोध की अपेक्षा करना अवास्तविक है।” इस प्रस्ताव का परीक्षण करें और अपनी राय दें।

उत्तर : यह तथ्य सही है कि यदि यूएसएसआर और चीन जैसे बड़े और संसाधन संपन्न देश और अब भारत जो एक उभरता हुआ देश है, अमेरिका की श्रेष्ठ प्रकृति का विरोध नहीं कर सकते हैं, तो लगभग कोई भी संसाधन नहीं होने वाले छोटे देश कभी भी ऐसा नहीं कर सकते हैं। अमेरिका जैसा शक्तिशाली राष्ट्र केवल एक विश्व संगठन द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है जो गैर पक्षपाती है। संयुक्त राष्ट्र में हम अमेरिका के प्रभुत्व को देख सकते हैं और यहां तक कि निर्णय ने किसी तरह अमेरिका को ऊपरी हाथ दिया क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र के लिए धन और संसाधनों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। इसलिए केवल एक मजबूत राष्ट्र ही अमेरिका की शक्ति का विरोध कर सकता है।

Q9. यदि संसाधन संपन्न देश अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार नहीं कर सकते तो यह मानना अव्यावहारिक है कि अपेक्षाकृत छोटी और कमजोर राज्येतर संस्थाएं अमरीकी वर्चस्व का कोई प्रतिरोध कर पाएंगी | इस कथन की जाँच करें और अपनी राय बताएँ |

उत्तर : स्वयं करें